पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने प्रकृति एवं पक्षियों का संरक्षण विषयक चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

राजभवन में आयोजित होने वाली पुष्प प्रदर्शनी देखने के लिए न्योता भी दिया

लखनऊः 7 फरवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज केन्द्रीय ललित कला आकादमी, अलीगंज, लखनऊ में वाइल्डलाइफ आर्टिस्ट ग्रुप द्वारा 'प्रकृति एवं पक्षियों का संरक्षण' विषयक वाइल्डलाइफ पेन्टिंग प्रदर्शनी का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कला प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में आये हुए उन्हें छः महीने हो गये है। अब तक पूरा उत्तर प्रदेश तो नहीं देखा है। मगर अब तक जितना देखा है लखनऊ उसमें अप्रतिम है। पहले लखनऊ के बारे में सुनता था अब देखता हूँ कि लखनऊ के लोग साहित्य, कला, मेले-महोत्सव व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ तक कि समाचार पत्र व समाचार चैनलों द्वारा भी अपनी ओर से सांस्कृतिक व सामाजिक सरोकार से जुडे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

श्री नाईक ने कहा कि 'प्रकृति एवं पक्षी संरक्षण' विषय पर आधारित यह प्रदर्शनी महत्वपूर्ण है। कागज पर रंगों के माध्यम से भाव प्रदर्शित करना वास्तव में मुश्किल मगर सराहनीय कार्य है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से समाज में पक्षियों और प्रकृति से जुड़ाव की प्रेरणा मिलेगी। चित्रकला बेजोड़ है। प्रदर्शनी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य जब सुसंस्कृत होता है तो कला उभरती है। देश की अन्य ऐतिहासिक चित्रकलाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अपने देश की सांस्कृतिक धरोहर अन्य देशों से ज्यादा समृद्ध है। उन्होंने राजभवन में आगामी 21 व 22 फरवरी को आयोजित होने वाली पुष्प प्रदर्शनी के लिये लोगों को राजभवन आने के लिए न्योता भी दिया।

इस प्रदशर्नी में देश के प्रसिद्ध कलाकार ने भाग लिया जिसमें ब्रुशमैन आॅफ इण्डिया पृथ्वी सोनी, पदम्श्री कृष्ण कनैही, रंगों के जादूगर विजेन्द्र शर्मा, विचारों को कैनवस पर उतारने वाले किशन सोनी, मुख्य रुप से पक्षियों पर ही काम करने को लेकर प्रसिद्ध कलाकार यशोधन हेबल्कर इसके साथ ही वाइल्ड लाइफ पर कार्य करने वाले प्रसिद्ध कलाकार श्रीलंका के विशी आर. धर्माश्रीवर्धने भी उपस्थित थे। इनके अतिरिक्त देश के विभिन्न राज्यों से कलाकार अपनी पेन्टिंग के साथ उपस्थित थे। इन कलाकारों में कला क्षेत्र में कई सम्मान से सम्मानित मोहम्मद इसाक़, बिजय बिस्वाल, बीजू मैथू, रानादीप, देवा अशीष दास, जयदेव प्रसाद सोनी, जे.बी. साहनी, राजेश हर्ष, पुष्पा सिंह, रीना चैधरी, शुभाशीष, कुसुम, राखी सैनी, सन्तोष कुमार और सुषमा कुमार शामिल है जिनकी कला सराहनीय है। कलाकारों ने अपने ब्रुश, नाइफ, कैनवस व रंगो का बहुत ही खूबसूरती से इस्तेमाल किया।

इस प्रदशर्नी को सुषमा कुमार ने संग्रहित किया था। सुषमा कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष 'टाइगर की सुरक्षा' को विषय बनाकर प्रदशर्नी की गयी थी जोकि काफी सफल रही। इस बार प्रकृति एवं पक्षियों की सुरक्षा को विषय बनाया गया है।

धुवाँधार

धुवाँधार

STOP